स्वामी चिदानन्द सरस्वती

H.H. Pujya Swami Chidanand Saraswatiji
President, Parmarth Niketan

हमारे आत्मीय डॉ. शिव शंकर मिश्र जी,

सप्रेम हरिस्मरण।

आपका पत्र प्राप्त हुआ। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि धर्म नगरी हरिद्वार तथा ऋषि नगरी ऋषिकेश के सुप्रसिद्ध सन्त हमारे सुहृद आत्मीय परमादरणीय श्री ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी जी महाराज का 31वाँ दीक्षा दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर 'योगः कर्मसु कौशलम्' नाम का ग्रन्थ प्रकाशित किया जाना बेहद सुखद है।

पूज्यपाद प्रातः स्मरणीय श्री देवेन्द्र स्वरूप ब्रह्मचारी जी ने जयराम आश्रम के बारे में जो संकल्पनायें की थीं, उसे हमारे आदरणीय, आत्मीय ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी जी उन्हें साकार करने में जुटे हैं। उन्होंने न केवल आश्रम और धर्मशालाओं का निर्माण किया, वरन् शिक्षा और विद्या के सफल व सफलतम केन्द्र भी बनाए। इसी क्रम में निर्धन विद्यार्थियों को भी अच्छी शिक्षा दिलाने का जो शिव और शुभ संकल्प प्रिय ब्रह्मचारी जी ने लिया है, वह लोक कल्याणकारी तथा मंगलमय है। उनके ऐसे सभी संकल्प पूर्ण हों, प्रभु से यही प्रार्थना है। मंगलकामना के साथ।

(स्वामी चिदानन्द)

Parmarth Niketan, P.O. Swargashram, Rishikesh (Himalayas), Uttarakhand – 249304, India
Phone: 0135-2440088, 2440077 Fax: 0135-2440066, Email: swamiji@parmarth.com